View this email in your browser

शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय -भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962-240018, फोन नं. 02962-240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ♦ Website : www.banswarapariyojana.com

माह - मार्च 2020 अंक-019

होली गैर नृत्य आयोजन

भारत के वृहद सांस्कृतिक पटल का एक नैसर्गिक अंग है जनजातीय परम्पराएं। भारत वर्ष के कोने कोने में बसे जनजातीय बंधू अपनी युगों पुरानी परम्पराओं को जीते आये हैं और उनके निर्वहन से अपनी पीढ़ियों और भारतीय समाज को समृद्ध करते रहे हैं। ऐसी ही एक परंपरा होली के पावन पर्व पर गैर नृत्य खेलने की है। गुजरात का गरबा नृत्य , पंजाब का भाँगड़ा आदि सामान्य मानवी के हर्षोल्लास के प्रकटीकरण का माध्यम होने के साथ साथ अपना एक परिचय जनमानस में रखते हैं। यह दुर्भाग्य पूर्ण ही है की कभी राजस्थान के भील समाज का यह सुन्दर एवं मौज पूर्ण नृत्योत्सव अपना प्रसार न पा सका। शायद इसी का नतीजा था की कुछ वर्ष पूर्व प्रशासनिक उदासीनता एवं संवेदनहीनता के चलते गैर नृत्य पर रोक लगा दी गयी। बांसवाड़ा परियोजना की प्राणवायु यही जनजातीय समाज है , और प्राणवायु अगर बाधित होगी तो शरीर छटपटायेगा। ऐसी ही छटपटाहट की परिणीति है की बांसवाड़ा परियोजना ने होली के अवसरपर अपने ही प्रांगण के सम्मुख राति तलाई मैदान में गैर नृत्य का आयोजन प्रारम्भ किया। प्रशासनिक आदेश के चलते शायद कार्यक्रम सफल न हो ऐसी आशंका के साथ परियोजना के कार्यकर्ता अपनी तैयारियों में जुटे रहे , किन्तु परम्पराएं कब प्रशासनिक कागज़ देखती हैं वह तो सृष्टि की अनवरत बहती धारा की तरह हैं। कार्यक्रम के दिन भील समाज बड़ी संख्या में उपस्थित हुआ और हर्षोल्लास के साथ नृत्य किया। एक छोटी सीपहल ने एक परंपरा की धरा को अवरुद्ध होने से बचा लिया। बांसवाड़ा परियोजना के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हज़ारों भील समाज के बंधू एवं भगिनियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन सत्र में सागवाडिया ग्राम कि गैर नृत्य टोली को लालीबाव मठ महंत श्री हरी ओम दासजी महाराज एवं रामस्वरूप जी महाराज ने प्रथम पुरुस्कार देकरसम्मानित किया। कार्यक्रम के बाद सभी का स्नेह भोजन रखा था जहाँ सभी ने मिल कर भोजन किया एवं संपूर्ण कार्यक्रम में पवित्र आनंद का अनुभव किया।

होली एवं गैर नृत्य आयोजन ,भारत माता मंदिर परिसर, बांसवाड़ा

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग एवं पूर्वांचल प्रवास

बांसवाड़ा परियोजन द्वारा भारत वर्ष के पूर्वांचल क्षेत्र असम , त्रिपुरा , मेघालय , एवं मिजोरम में शिक्षा को आधार बना कर स्थानीय जनजाती समाज को भारत की मूल अवधारणा से जोड़ने का पिछले १४ वर्षो से निरन्तर प्रयास चल रहा है। जिसका सकारात्मक बदलाव आज क्षेत्र में दिखने लगा है। बांसवाड़ा परियोजना द्वारा क्षेत्र में १०० से अधिक विद्यालय एवं संस्कार केंद्रों का सञ्चालन किया जा रहा है, जहाँ ३५०० से ज़्यादा बालक बालिकाएं लाभान्वित हो रहे हैं। इस वर्ष तीन दिवसीय आवासीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। १९-२६ मार्चतक यह आयोजन चेलगाओं ,गोमती जिला एवं करमसोरा, अगर तला जिला में किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में श्री कैलाश जैसवाल , हिम्मत सिंह देवड़ा, सोहन लाल भूरिया एवं कैलाश सिंह निनामा रहे। इस तीन दिवसीय आवासिय शिविर में शिक्षक विकास, विचारोन्मुख गोष्ठी , बौद्धिक, एवं शिक्षा प्रसार के नए एवं बेहतर माध्यम की जानकारी विभिन्न सत्रों में दी गयी। समारोप सत्र में रिटायर्ड आई जी श्री वी के राय का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
इस शिविर में जन कल्याण सेवा न्यास के अध्यक्ष श्री शुभम शेखर भट्टाचार्य जी ,प्रान्त मंत्री श्री पूरनचंदमंडल रहे।

Copyright © *2020* *BANSWARA PARIYOJANA*, All rights reserved.

Subscribe Past Issues Translate

Want to change how you receive these emails?
You can update your preferences or unsubscribe from this list.

This email was sent to <<Email Address>>
why did I get this? unsubscribe from this list update subscription preferences
Bharat mata mandir · Bharat mata mandir · rati talai · Delhi, 110009 · India

INTUIT mailchimp